an>

Title: Need to provide clean drinking water in villages and hamlets in Kheri Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

*mo1

**श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी)** ः मेरे संसदीय क्षेत्र सहित उत्तर प्रदेश व बिहार की नेपाल सीमा से जुड़ा तराई क्षेत्र, जो बाढ़ से भी प्रभावित है, में जल में फ्लोराइड व ऑर्सेनिक की मात्रा के खतरनाक स्तर तक बढ़ जाने के कारण पानी पीने योग्य नहीं है, परंतु अन्य वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण लोग जहरीला पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे प्रभावित क्षेत्र के लोग गंभीर बीमारियों से परेशान हैं। चूंकि यह सरकार एक संवेदनशील सरकार है तथा छोटी से छोटी बातों की चिंता कर रही है। हमारी सरकार ने सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दिखाई है।

मेरे संसदीय क्षेत्र लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) में भी जल में ऑर्सेनिक की मात्रा अधिक हो जाने के कारण जल दूÂिात हो गया है व पीने योग्य नहीं है। चूंकि भारत सरकार के मानक के अनुसार जिन बस्तियों में ऑर्सेनिक की मात्रा 50 पी.पी.बी. से अधिक है, उन्हीं बस्तियों व गांवों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है, जिसके परिप्रेक्ष्य में मेरे क्षेत्र के 51 गांवों की 165 बस्तियों में काम हो रहा है। लेकिन वास्तव में जिन बस्तियों में जल में ऑर्सेनिक की मात्रा 50 पी.पी.बी. के मानक से कम परंतु 10 पी.पी.बी. से अधिक है (जो अंतर्राÂट्रीय मानक के अनुसार खतरनाक है) मेरे जिले में ऐसे 527 गॉवों की 1290 बस्तियाँ ऑर्सेनिक से प्रभावित हैं।

मैं ग्रामीण विकास मंत्रालय से अनुरोध करता हॅ कि जल में ऑर्सेनिक के 50 पी.पी.बी. की मात्रा को शिथिल करें एवं ऐसे गांवों में जहाँ जल में ऑर्सेनिक तत्वों की मात्रा 10 पी.पी.बी. तक है, वहाँ भी शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की योजना बनाएँ। मेरे जिले के ऐसे भी 527 गांवों की 1290 मजरें (बस्तियों) में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करके योजना बनायें।